निश्चित मौत से बचाया गया

अमेज़िंग फ़ैक्ट्स
अध्ययन संदर्शिका

3

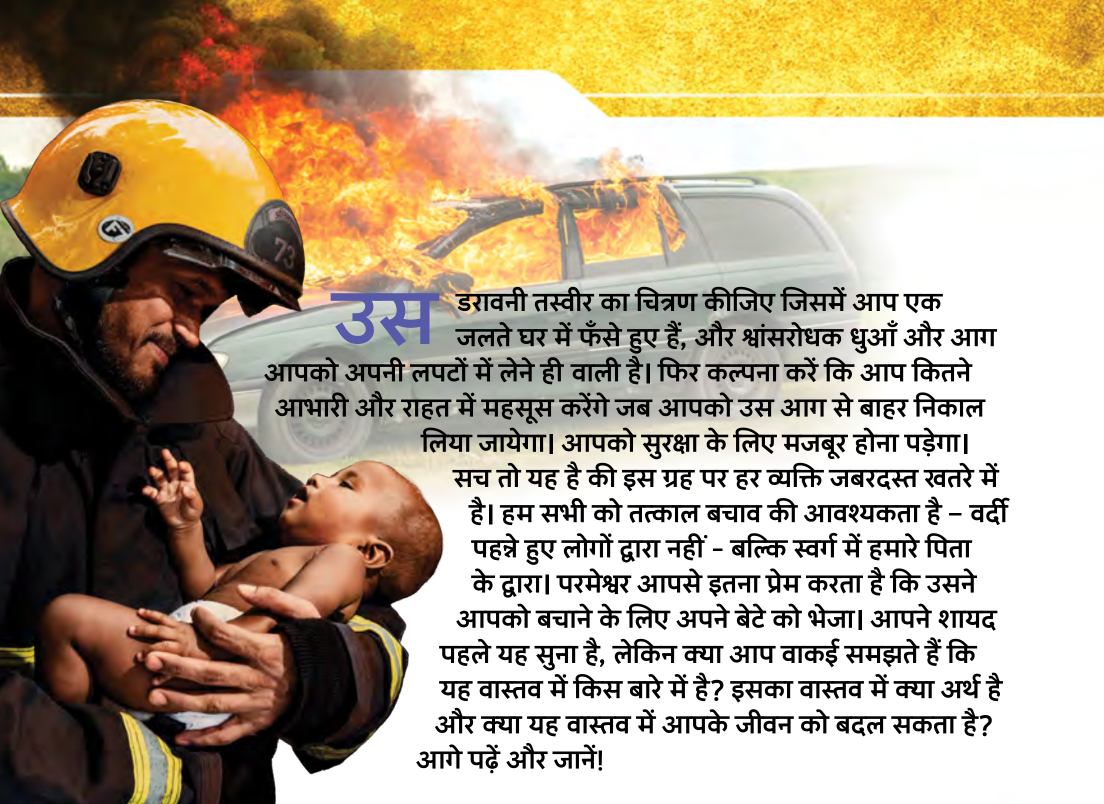

उस डरावनी तस्वीर का चित्रण कीजिए जिसमें आप एक जलते घर में फँसे हुए हैं, और श्वांसरोधक धुआँ और आग आपको अपनी लपटों में लेने ही वाली है। फिर कल्पना करें कि आप कितने आभारी और राहत में महसूस करेंगे जब आपको उस आग से बाहर निकाल लिया जायेगा। आपको सुरक्षा के लिए मजबूर होना पड़ेगा। सच तो यह है की इस ग्रह पर हर व्यक्ति जबरदस्त खतरे में है। हम सभी को तत्काल बचाव की आवश्यकता है – वर्दी पहन्ने हुए लोगों द्वारा नहीं – बल्कि स्वर्ग में हमारे पिता के द्वारा। परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने आपको बचाने के लिए अपने बेटे को भेजा। आपने शायद पहले यह सुना है, लेकिन क्या आप वाकई समझते हैं कि यह वास्तव में किस बारे में है? इसका वास्तव में क्या अर्थ है और क्या यह वास्तव में आपके जीवन को बदल सकता है? आगे पढ़ें और जानें!

1 क्या परमेश्वर वास्तव में आपकी परवाह करता है?

उसने कहा है: “मेरी दृष्टि में तू अनमोल और प्रतिष्ठित ठहरा है और मैं तुझ से प्रेम रखता हूँ” (यशायाह 43:4)। “मैं तुझ से सदा प्रेम रखता आया हूँ” (यिर्मयाह 31:3)।

उत्तर: आपके लिए परमेश्वर का कभी न खत्म होने वाला प्रेम मानव समझ से परे है। वह आपसे प्यार करता भले ही आप दुनिया के एकमात्र खोए हुए प्राणी क्यों ना होते। और यीशु आपके लिए अपना जीवन दे देता। भले ही कोई अन्य पापी बचाए जाने के लिए न हो। कभी न भूलें कि आप उसकी दृष्टि में बहुमूल्य हैं। वह आपसे प्रेम करता है और आपकी बहुत परवाह करता है।

2 परमेश्वर ने आपके लिए अपना प्यार कैसे दिखाया है?

“क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए” (यूहन्ना 3:16)। “जो प्रेम परमेश्वर हम से रखता है, वह इस से प्रगट हुआ कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को जगत में भेजा है कि हम उसके द्वारा जीवन पाएँ। प्रेम इस में नहीं कि हम ने परमेश्वर से प्रेम किया, पर इस में है कि उसने हम से प्रेम किया और हमारे पापों के प्रायश्चित के लिए अपने पुत्र को भेजा” (1 यूहन्ना 4:9, 10)।

उत्तर: क्योंकि परमेश्वर आपसे इतना अधिक प्रेम करता है, वह आपसे अनंत काल तक अलग होने के बजाय अपने एकलौते पुत्र को पीड़ित होने और मरने के लिए भेजने को तैयार था। इस तरह के बहुतायत के प्रेम को भरपूरी से समझना मुश्किल हो सकता है, लेकिन परमेश्वर ने आपके लिए ऐसा किया!

आपके लिए क्रूस पर यीशु की मृत्यु ब्रह्माण्ड के इतिहास में प्रेम का सबसे महान प्रदर्शन था।

आपके पापों को क्षमा करने की तत्परता और आपके जीवन की हर परीक्षा में आपको विजय दिलाने की उसकी इच्छा में आपके के लिए यीशु का प्रेम स्पष्ट रूप से दिखाई देता है!

3 वह आप जैसे व्यक्ति से कैसे प्यार कर सकता है?

“परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस से प्रगट करता है कि जब हम अभी पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिए मार” (रोमियों 5:8)।

उत्तर: निश्चित रूप से इसलिए नहीं की कोई इसके योग्य है। पाप की मजदूरी को छोड़कर, जो मृत्यु है, किसी भी व्यक्ति ने कभी कुछ नहीं कमाया है (रोमियों 6:23)। परन्तु परमेश्वर का प्रेम बिना किसी शर्त का है। वह उन लोगों से प्यार करता है जिन्होंने चोरी की है, जिन्होंने व्यभिचार किया है, और यहाँ तक की हत्यारों को भी। वह उन लोगों से प्यार करता है जो स्वार्थी हैं, जो पाखंडी हैं, और जो लोग नशे के आदी हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने क्या किया है, या आप क्या कर रहे हैं, वह आपसे प्रेम करता है - और वह आपको पाप और उसके घातक परिणामों से बचाना चाहता है।

4 यीशु की मृत्यु ने आपके लिए क्या किया?

“देखो, पिता ने हम से कैसा प्रेम किया है कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएँ; और हम हैं भी!” (1 यूहन्ना 3:1)। “परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात उन्हें जो उनके नाम पर विश्वास करते रखते हैं” (यूहन्ना 1:12)।

उत्तर: मसीह आपको मिले मृत्युदंड को पूरा करने के लिए मरा। वह मानव रूप में इसलिए पैदा हुआ ताकि मृत्यु की उस पीड़ा को सहे जिसके योग्य सभी पापी हैं। और अब, आज, उसने जो कुछ किया उसका श्रेय आपको देने का प्रस्ताव रखा है। उसके पापरहित जीवन का श्रेय आपको दिया गया है ताकि आप धर्मी जन गिने जा सके। उसकी मृत्यु को आपके सभी गलतियों के लिए पूर्ण भुगतान के रूप में स्वीकार किया गया, जब आप, उसने जो किया, उसे एक उपहार के रूप में स्वीकार करते हैं, तो आप परमेश्वर के परिवार में उसकी संतान के रूप में अपनाए जाते हैं।

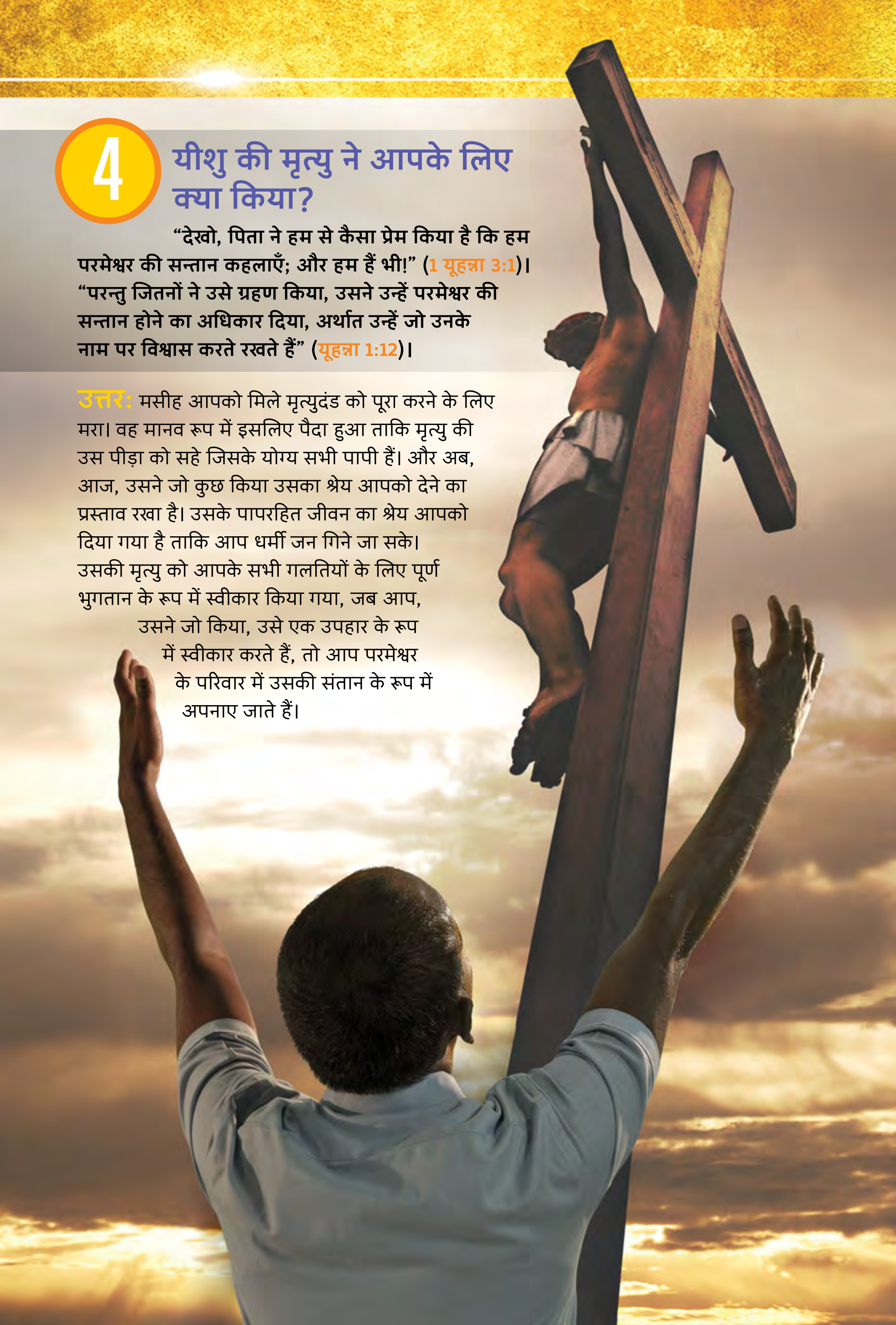

5 आप यीशु को कैसे प्राप्त करते हैं और मृत्यु से जीवन में कैसे जाते हैं?

उत्तर: अपनी आवश्यकता को स्वीकार करके और उस में विश्वास करके।

बस तीन चीजें स्वीकार करें:

1. मैं पापी हूँ।
"सब ने पाप किया है" (रोमियों 3:23)।

2. मेरी मृत्यु के लिए मैं अभिशापित हूँ।
"क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है" (रोमियों 6:23)।

3. मैं खुद को नहीं बचा सकता।
"मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते" (यूहन्ना 15:5)।

फिर, तीन चीजों पर विश्वास करें:

1. वह मेरे लिए मर गया।
"वह [यीशु] ... हर एक मनुष्य के लिए मृत्यु का स्वाद चखे" (इब्रानियों 2:9)।

2. वह मुझे क्षमा करता है।
"यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है" (1 यूहन्ना 1:9)।

3. वह मुझे बचाता है।
"जो कोई विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसी का है" (यूहन्ना 6:47)।

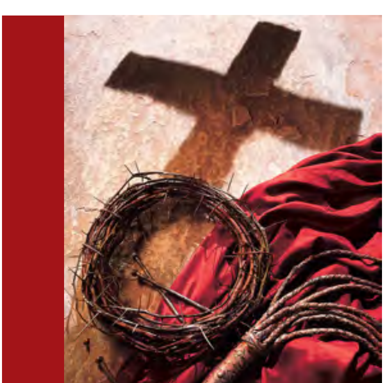

जीवन - परिवर्तन करने वाले इन सत्यों पर विचार करें:

- अपने पापों के कारण, मैं मृत्युदंड के अधीन हूं।
- अनंत जीवन को खोए बिना मैं इस दंड का भुगतान नहीं कर सकता हूँ। मैं सदा के लिए मर जाऊंगा।
- मुझ पर उस चीज का उधार है जिसका मैं भुगतान नहीं कर सकता! परन्तु यीशु कहता है, "दंड का भुगतान मैं करूंगा। तुम्हारे स्थान पर मैं मरूँगा और इसके लिए श्रेय तुझे दूँगा। तुझे अपने पापों के लिए नहीं मरना पड़ेगा।"
- मैं उसके प्रस्ताव को स्वीकार करता हूं! जिस क्षण मैं अपने क़र्ज़ को मानता हूँ और अपने पापों के लिए उसकी मृत्यु को स्वीकार करता हूँ, मैं उसकी संतान बन जाता हूं! (सरल है, है ना?)

6 उद्धार के इस उपहार को प्राप्त करने के लिए हमें क्या करना है?

"[हम] उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है, सेंत-मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं" (रोमियों 3:24)। "इसलिए ... मनुष्य व्यवस्था के कामों से अलग ही, विश्वास के द्वारा धर्मी ठहरता है" (रोमियों 3:28)।

उत्तर: केवल एक काम जो आप कर सकते हैं, वह है उद्धार को उपहार के रूप में स्वीकार करना। आज्ञाकारिता के हमारे काम हमें उचित ठहराने में मदद नहीं करेंगे क्योंकि हमने पहले ही पाप कर लिया हैं और मृत्यु के योग्य हैं। परन्तु जो कोई भी विश्वास में माँगेगा, उसे उद्धार मिलेगा। सबसे दुष्ट पापी को भी उसी प्रकार पूर्ण रूप से स्वीकार किया जाता है जैसे की सबसे कम पाप करने वाले को किया जाता है। आपका अतीत आपके खिलाफ नहीं गिना जाता है! याद रखें, परमेश्वर सभी से समान रूप से प्रेम करता है और क्षमा मांगने वालों के लिए है। "क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है।, और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे" (इफिसियों 2:8, 9)।

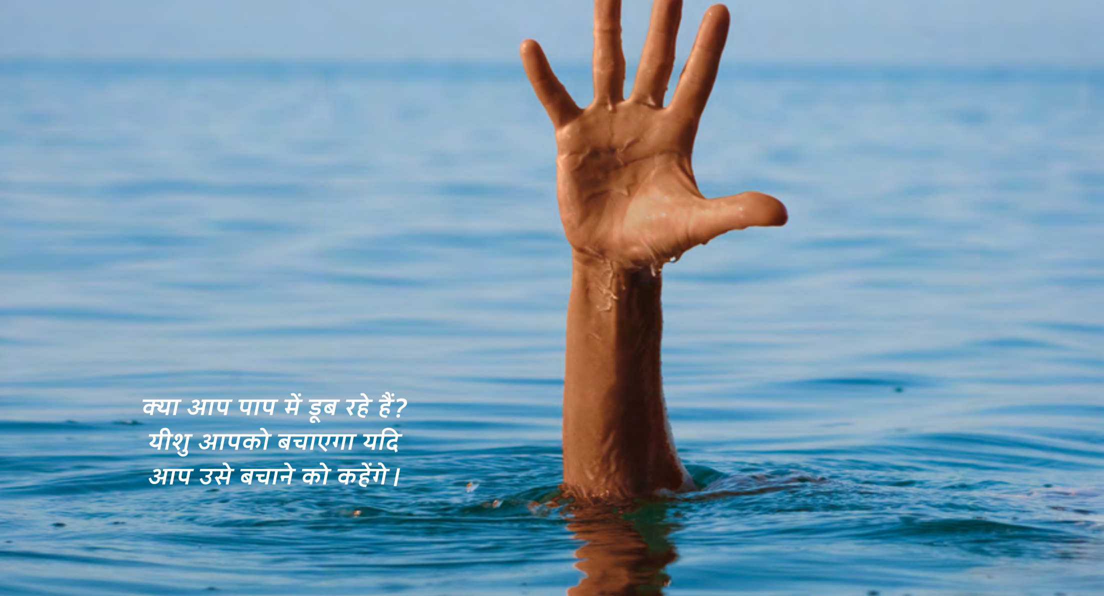

क्या आप पाप में डूब रहे हैं? यीशु आपको बचाएगा यदि आप उसे बचाने को कहेंगे।

7 जब आप विश्वास के द्वारा उसके परिवार में शामिल होते हैं, तो यीशु आपके जीवन में क्या परिवर्तन करता है?

"इसलिए यदि कोई मसीह में है तो वह एक नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो सब बातें नई हो गई है" (2 कुरिंथियों 5:17)।

उत्तर: जब आप मसीह को अपने हृदय में ग्रहण करते हैं, तो वह आपके पुराने पापी स्वरूप को नष्ट करने और आपको एक नया आत्मिक प्राणी में बदलने की प्रक्रिया शुरू करता है। आनंद से, आप अपराध और दोष से महिमामय स्वतंत्रता का अनुभव करना शुरू करते हैं, और पुराना पापी जीवन आपको अप्रिय हो जाता है। आप देखेंगे कि परमेश्वर के साथ बिताया गया एक मिनट भी आपको जीवनभर शैतान का दास होने से अधिक सुख देता है। क्या परिवर्तन है! लोग इसे स्वीकार करने के लिए इतने लम्बे समय तक क्यों इंतजार करते है?

8 क्या यह परिवर्तित जीवन वास्तव में पुराने जीवन से अधिक हर्षित होगा?

यीशु ने कहा, "मैं ने ये बातें तुम से कही है ... कि तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए" (यूहन्ना 15:11)। "इसलिए यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करेगा, तो सचमुच तुम स्वतंत्र हो जाओगे" (यूहन्ना 8:36)। "मैं इसलिए आया कि वे जीवन पाएँ, और बहुतायत से पाएँ" (यूहन्ना 10:10)।

पृथ्वी का कोई भी आनन्द एक मसीही घर के आनन्द से तुलना नहीं कर सकता।

उत्तर: कई लोगों का मानना है कि मसीही जीवन आत्मत्याग के कारण आनन्दमयी नहीं होगा। सच्चाई इसके ठीक विपरीत है! जब आप यीशु के प्रेम को स्वीकार करते हैं, तो आनंद आप में उत्पन्न होता है। यहाँ तक कि जब कठिन समय आता है, एक मसीहि परमेश्वर की आश्वस्त और शक्तिशाली उपस्थिति का आनंद क़ाबू पाने और आवयकता के समय में सहायता के लिए ले सकता है (इब्रानियों 4:16)।

9 क्या आप उन सभी चीज़ों को अपने आप कर सकते हैं जो मसीहियों को करना चाहिए?

“मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ; अब मैं जीवित नहीं रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है” (गलतियों 2:20)। “जो मुझे सामर्थ देता है, उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ” (फिलिप्पियों 4:13)।

उत्तर: यह मसीही जीवन का सबसे बड़ा चमत्कार है: मसीही होने के नाते जो आप करते हैं वह आप में यीशु के जीवन का सहज प्रवाह है। आपने आप को अच्छा बनाने के लिए कोई “मजबूरी”नहीं है।आज्ञाकारिता आपके जीवन में परमेश्वर के प्रेम की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। परमेश्वर में जन्म लेने के कारण, एक नए प्राणी के रूप में आप उसकी आज्ञाओं का पालन करना चाहते हैं क्योंकि उसका जीवन आपके जीवन का हिस्सा बन गया है। अपने प्रियजन को खुश करना आपके लिए बोझ नहीं होता है, बल्कि यह एक आनन्द है। “हे मेरे परमेश्वर, मैं तेरी इच्छा पूरी करने में प्रसन्न हूँ: और तेरी व्यवस्था मेरे अन्तःकरण में बसी है।” **भजन संहिता 40:8**।

जब यीशु आपके जीवन में प्रवेश करता है, तो उसकी चमत्कारी शक्ति आज्ञाकारिता के बोझ को खुशी में बदल देती है।

10 क्या इसका मतलब यह है कि दस आज्ञाओं का पालन करना भी मुश्किल नहीं होगा?

“यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे” (यूहन्ना 14:15)। “क्योंकि परमेश्वर से प्रेम रखना यह है कि हम उसकी आज्ञाओं को माने; और उसकी आज्ञाएँ कठिन नहीं” (1 यूहन्ना 5:3)। “पर जो कोई उसके वचन पर चले, उसमें सचमुच परमेश्वर का प्रेम सिद्ध हुआ है” (1 यूहन्ना 2:5)।

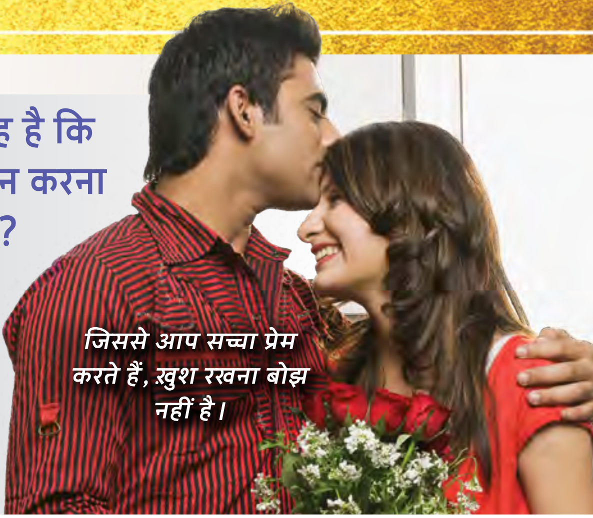

जिससे आप सच्चा प्रेम करते हैं, ख़ुश रखना बोझ नहीं है।

उत्तर: बाइबिल आज्ञाकारिता को परमेश्वर के लिए वास्तविक प्रेम से जोड़ती है। मसीहीयों को दस आज्ञाओं का पालन करना थकाने वाला नहीं लगेगा। यीशु की प्रायश्चित मृत्यु ने आपके सभी पापों को ढकने के साथ, आपकी आज्ञाकारिता आपके विजयी जीवन में निहित है। क्योंकि आप अपने जीवन को बदलने के लिए उससे इतना प्रेम करते हैं, कि आप वास्तव में दस आज्ञाओं की आवश्यकताओं से परे भी जायेंगे। उसकी इच्छा जानने के लिए आप नियमिय रूप से बाइबल में खोज करेंगे, उसके लिए अपने प्रेम को ज़ाहिर करने के और ज़्यादा तरीक़े ढूँढेंगे। “और जो कुछ हम माँगते हैं, वह हमें उससे मिलता है, क्योंकि हम उसकी आज्ञाओं को मानते हैं और जो उसे भाता है वही करते हैं” (**1 यूहन्ना 3:22, जोर दिया गया**)।

11 आप कैसे यकीन कर सकते हैं कि दस आज्ञाओं को मानना विधिवादिता (नियमों से अत्यधिक लगाव) नहीं है?

“पवित्र लोगों का धीरज इसी में है, जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते और यीशु पर विश्वास रखते हैं” (प्रकाशितवाक्य 14:12)। “वे मेम्ने के लहू के कारण और अपनी गवाही के वचन के कारण उस पर जयवन्त हुए, और उन्होंने अपने प्राणों को प्रिय न जाना, यहाँ तक की मृत्यु भी सह ली” (प्रकाशितवाक्य 12:11)।

उत्तर: “विधिवादिता” उपहार के रूप में उद्धार को स्वीकार करने के बजाए उसे अच्छे कामों के ज़रिए पाने को कोशिश करना है। बाइबल में पवित्र लोगों को चार लक्षणों वाले लोगों के रूप में पहचाना गया है: (1) आज्ञाओं को मानते हैं, (2) मेम्ने के लहू पर विश्वास करते हैं, (3) दूसरों के साथ अपना विश्वास साझा करते हैं, और (4) पाप करने के बजाय मरने का चुनाव करते हैं। ये ऐसे व्यक्ति के सही चिन्ह हैं जो मसीह से प्यार करता है और उसका अनुसरण करना चाहता है।

उद्धार पाने के लिए दस आज्ञाओं का पालन करना हमेशा विफलता और निराशा लाती है। खुद को बचाने के लिए बहुत देर हो चुकी है क्योंकि आप पहले ही पाप कर चुके हैं! परन्तु जिस व्यक्ति ने उद्धार की उपहार को स्वीकार किया है वह परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने के मार्ग पर चलने में प्रसन्न होता है।

12 आप कैसे यकीन कर सकते हैं कि मसीह के साथ आपके रिश्ते में विश्वास और प्रेम बढ़ता रहेगा?

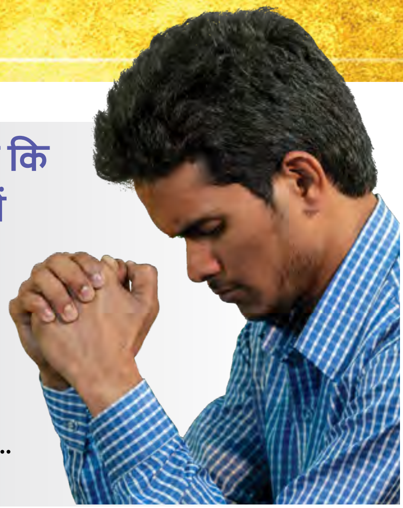

"तुम पवित्रशास्त्र में ढूँढ़ते हो, ... जो मेरी गवाही देता है" (यूहन्ना 5:39)। "निरंतर प्रार्थना में लगे रहो" (1 थिस्सलुनीकियों 5:17)। "अतः जैसे तुमने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है वैसे ही उसी में चलते रहो" (कुलुस्सियों 2:6)। "हे भाईयों ... मसीह यीशु में मैं ... प्रतिदिन मरता हूँ" (1 कुरिन्थियों 15:31)।

उत्तर: बातचीत के बिना कोई भी व्यक्तिगत सम्बंध बिना बातचीत के समृद्ध नहीं होता है। प्रार्थना और बाइबल अध्ययन परमेश्वर के साथ बातचीत के रूप हैं, और वे आपके रिश्ते को उसके साथ बढ़ाने में आवश्यक हैं। उसका वचन एक "प्रेम पत्र" है जिसे आप अपने आत्मिक जीवन को पोषित करने के लिए दैनिक रूप से पढ़ने की इच्छा रखेंगे। प्रार्थना में उसके साथ बातचीत करने से आपकी भक्ति गहरी हो जाएगी और वह आपके दिमाग को और अधिक रोमांचकारी और आंतरिक ज्ञान के लिए खोल देगा कि वह कौन है और वह आपके जीवन में क्या ढूँढ़ता है। आप अपनी ख़ुशी के लिए उसके अविश्वसनीय प्रावधान के आश्चर्यजनक विवरण की खोज करेंगे। लेकिन याद रखें, कि अन्य व्यक्तिगत संबंधों की तरह ही प्रेम की कमी, स्वर्ग को गुलामी में बदल सकता है। जब हम मसीह और उसके उदाहरण से प्रेम करना बंद कर देते हैं, तो धर्म का अस्तित्व केवल प्रतिबंधों के समूह के ज़बरन अनुपालन के रूप में रह जाएगा।

13 कैसे आप उसके (यीशु) साथ अपने परिवर्तित जीवन वाले रिश्ते के बारे में सब को कैसे बता सकते हैं?

"अतः उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें" (रोमियों 6:4, 6)। "क्योंकि मैं तुम्हारे विषय में ईश्वरिये धुन लगाए रहता हूँ, इसलिए कि मैंने एक ही पुरुष ... कुँवारी के सामान मसीह को सौंप दूँ" (2 कुरिन्थियों 11:2)।

उत्तर: बपतिस्मा एक ऐसे व्यक्ति के जीवन में तीन महत्वपूर्ण घटकों का प्रतीक है जिसने मसीह को स्वीकार किया है:
(1) पाप में मृत्यु, **(2)** मसीह में एक नए जीवन के लिए जन्म, और **(3)** अनंत काल तक यीशु के साथ आत्मिक "विवाह"। यह आत्मिक विवाह समय के साथ तब तक मजबूत और मीठा होता जाएगा, जब तक की हम प्रेम में जीना जारी रखते हैं।

परमेश्वर हमारी आत्मिक विवाह को सुनिश्चित करता है।

अनन्त काल तक यीशु के साथ अपने आत्मिक विवाह को सुनिश्चित करने के लिए ही परमेश्वर ने आपको कभी न त्यागने का वादा किया है (भजन संहिता 55:22; मत्ती 28:20; इब्रानियों 13:5), बीमारी और स्वास्थ्य में आपकी देखभाल (भजन संहिता 41:3; यशायाह 41:10), और हर ज़रूरत को पूरा करने का वादा किया है जो संभवतः आपके जीवन में विकसित हो सकती है (मत्ती 6:25-34)। जैसे की आप ने उसे विश्वास से ग्रहण किया है, वैसे ही भविष्य की हर ज़रूरत के लिए उस पर भरोसा करते रहें और वह आपको कभी भी निराश नहीं करेगा।

14 क्या आप अभी तुरंत यीशु को अपने जीवन में स्वीकार करना और एक नए जीवन का अनुभव शुरू करना चाहते हैं?

आपका उत्तर:

आपके प्रश्नों के उत्तर

1. **कैसे सिर्फ़ एक व्यक्ति की मृत्यु सारी मानवता के पापों के लिए हर्ज़ाना दे सकती है ? क्या होगा अगर हम परमेश्वर के द्वारा बचाए जाने के लिए अत्यधिक पापी हों ?**

   उत्तर: क्योंकि "सब ने पाप किया है" (रोमियों 3:23) और क्योंकि "पाप की मजदूरी मृत्यु है" (रोमियों 6:23), प्रत्येक उस व्यक्ति के लिए जो पैदा हुआ है कुछ विशेष आवश्यकता है। केवल वह जिसका जीवन सभी मानव जाति के जीवन। के बराबर है, सभी मानव जाति के पापों के लिए मर सकता है। क्योंकि यीशु सभी जीवों का निर्माता और लेखक है इसलिए जिस जीवन का उसने बलिदान दिया, वह उन सभी लोगों के जीवन से भी बड़ा था जो कभी जीते थे, "इसी लिए जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, वह उनका पूरा पूरा उद्धार कर सकता है, क्योंकि वह उनके लिए मध्यस्थता करने के लिए सर्वदा जीवित है" (इब्रानियों 7:25)।

2. **यदि मैं मसीह और उसकी क्षमा स्वीकार करता हूँ परन्तु फिर से पाप में गिरता हूँ, तो क्या वह मुझे फिर से क्षमा करेगा?**

   उत्तर: यदि हम अपने पाप के लिए वास्तव में खेद करते हैं और अंगीकार करते हैं, तो हम हमेशा क्षमा प्राप्त करने के लिए परमेश्वर पर भरोसा कर सकते हैं। "यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करके और हमें सव अधर्म से शुद्ध करने के लिए विश्वासनीय और धर्मी है" (1 यूहन्ना 1:9)। मत्ती 6:12 भी देखें।

3. **मैं अपनी पापी स्थिति में भी परमेश्वर से कैसे संपर्क कर सकता हूँ? क्या किसी पादरी या तेरे सेवक के द्वारा मेरे लिए प्रार्थना करवाना बेहतर नहीं होगा?**

   उत्तर: चूँकि यीशु मानव रूप में था और "वह सब बातों में हमारे समान परखा गया" (इब्रानियों 4:15) और वह विजयी हुआ (यूहन्ना 16:33), वह हमारे पापों को क्षमा कर सकता है; ऐसा करने के लिए हमें एक मानव पादरी या सेवक की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा, 1 तीमुथियुस 2:5 हमें विशेष रूप से बताता है कि "परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में भी एक ही बिचवई है, अर्थात मसीह यीशु जो मनुष्य है।" यीशु का जीवन, मृत्यु, पुनरुत्थान और आपके लिए निरंतर प्रार्थनाओं के कारण (रोमियों 8:34), आप परमेश्वर से संपर्क कर सकते हैं - और आप उसके पास साहसपूर्वक जा सकते हैं! (इब्रानियों 4:16)।

4. **क्या परमेश्वर को मुझे बचाने में मदद करने के लिए मैं कुछ कर सकता हूँ?**

   उत्तर: नहीं। उनकी योजना पूरी तरह से अनुग्रह की योजना है (रोमियों 3:24; 4:5); यह "परमेश्वर का उपहार" है (इफिसियों 2:8)। यह सच है कि जैसे ही परमेश्वर हमें विश्वास के द्वारा अनुग्रह देता है, वह हमें उसकी आज्ञा मानने की इच्छा और शक्ति भी देता है। इसके परिणामस्वरूप उसकी आज्ञाओं के लिए प्रेमी आज्ञाकारिता होती है। इसीलिए यहाँ तक कि यह आज्ञाकारिता परिणामस्वरूप परमेश्वर से

निशुल्क अनुग्रह है! आज्ञाकारिता, सेवा और प्रेम की निष्ठा, शिष्यता का सही परीक्षण और स्वाभाविक फल - यीशु मसीह में विश्वास का परिणाम है।

5. जब परमेश्वर मेरे पाप को क्षमा करता है, क्या तब भी मुझे किसी प्रकार की तपस्या करने की ज़रूरत है?

उत्तर: रोमियों 8:1 कहता है, “अतः अब जो मसीह यीशु में है उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं।” यीशु ने हमारे अपराधों के लिए दण्ड का पूर्ण भुगतान किया, और जो विश्वास में इसे स्वीकार करते हैं उन्हें शुद्ध होने के लिए तपस्या का कोई काम नहीं है, क्योंकि यीशु ने पहले से ही “हमें हमारे पापों को धो दिया “(**प्रकाशितवाक्य 1:5**)। **यशायाह 43:25** इस खूबसूरत वादे को साझा करता है: “मैं वही हूँ जो अपने नाम के निमित तेरे अपराधों को ही मिटा देता हूँ और तेरे पापों को स्मरण न करूँगा।” **मीका 7:18, 19** आपके लिए उसकी क्षमा की अंतिमता दिखाता है: “तेरे समान ऐसा परमेश्वर कहाँ है जो अधर्म को क्षमा करे और अपने निज भाग के बचे हुओं के अपराध को ढाप दे? वह अपने क्रोध को सदा बनाए नहीं रहता, क्योंकि वह करुणा से प्रीति रखता है। वह फिर हम पर दया करेगा, और हमारे अधर्म के कामों को लताड़ डालेगा। तू हमारे सब पापों को गहिरे समुद्र में डाल देगा।”

अपनी टिप्पणियाँ या प्रश्न यहाँ लिखें

01

02

03

04

05

06

07

08

09

10

11

12

13

14

यह अध्ययन संदर्शिका 14 की शृंखला में से केवल एक है!

प्रत्येक पाठ आश्चर्यजनक तथ्यों से भरा हुआ है जो आपको और आपके परिवार को परिवर्तित कर देगा और आपको स्थायी उम्मीद दिलाएगा। एक भी ना चूकें।

अध्ययन संदर्शिका 01: क्या कुछ बचा है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं?
अध्ययन संदर्शिका 02: क्या परमेश्वर ने शैतान को बनाया?
अध्ययन संदर्शिका 03: निश्चित मौत से बचाया गया
अध्ययन संदर्शिका 04: अंतरिक्ष में एक विशाल शहर
अध्ययन संदर्शिका 05: एक सुखद विवाह की कुंजी
अध्ययन संदर्शिका 06: पत्थर में लिखा है!
अध्ययन संदर्शिका 07: इतिहास का खोया हुआ दिन
अध्ययन संदर्शिका 08: परम उद्धार (यीशु मसीह का पुनरागमन)
अध्ययन संदर्शिका 09: शुद्धता और शक्ति!
अध्ययन संदर्शिका 10: क्या मृतक वास्तव में मृत हैं?
अध्ययन संदर्शिका 11: क्या शैतान नर्क का प्रभारी है?
अध्ययन संदर्शिका 12: शांति के 1000 वर्ष
अध्ययन संदर्शिका 13: परमेश्वर की नि:शुल्क स्वास्थ्य योजना
अध्ययन संदर्शिका 14: क्या आज्ञाकारिता विधिवादिता है?

सारांश पत्र 3

इस सारांश पत्र को हल करने से पहले कृप्या इस पाठ को पढ़ ले। अध्ययन संदर्शिका में सभी उत्तर पाए जा सकते हैं। सही उत्तर पर सही चिन्ह करें। कोष्ठकों में दी गई संख्या (?) सही उत्तरों की संख्या दर्शाती हैं। (√) फॉर्म भरने के लिए कृपया "अडोबी रीडर" का उपयोग करें।

1. परमेश्वर ने सम्पूर्ण स्वर्ग को किस महान उपहारों के रूप में मनुष्य के लिए उँडेला? (1)

- ☐ बाइबल।
- ☐ उसका चर्च।
- ☐ यीशु मसीह।
- ☐ आज्ञा।

2. प्रेम का सबसे बड़ा प्रदर्शन जिसे जगत ने कभी देखा था (1)

- ☐ रोटी और मछलियों।
- ☐ क्रूस पर यीशु की मृत्यु।
- ☐ पेनतेकूस्त।
- ☐ पतरस का अंगीकार।

3. क्रूस पर मसीह का बलिदान किसके लिए था? (1)

- ☐ प्रत्येक।
- ☐ केवल धर्मी।
- ☐ केवल दुष्ट।
- ☐ उद्धार के लिए जो लोग पूर्व निर्धारित हैं।

4. परमेश्वर सबसे अधिक किसे प्रेम करता है? (1)

- ☐ कलीसिया के सदस्य।
- ☐ वेश्याओं और चोरों।
- ☐ सभों से एक जैसे।
- ☐ पुनः जन्म लेने वाले मसीहियों से।

5. मसीह मानव परिवार में पैदा हुआ था ताकि (1)

- ☐ पाप के लिए दण्ड का भुगतान करे।
- ☐ जानें कि हम कितने कमजोर हैं।
- ☐ एक अच्छा बढ़ई बनें।

6. उद्धार प्राप्त करने के लिए, एक व्यक्ति को (1)

- ☐ बाइबल अध्ययन करना चाहिए।
- ☐ कलीसिया में रहें।
- ☐ विभिन्न भाषाओं में बोलें।
- ☐ इसे उपहार के रूप में स्वीकार करें।

7. हम बचाए जाते हैं (1)

- ☐ अच्छे कामों के कारण।
- ☐ अनुग्रह से।
- ☐ इच्छा से।

8. क्षमा और स्वीकृति हमारा नेतृत्व करती है ताकि हम जाने ... (2)

- ☐ कि हम पाप करना जारी रख सकते हैं।
- ☐ नकारे सुख के लिए खेद मनाना।
- ☐ खुशी और शांति।
- ☐ अनन्त जीवन का आश्वासन।

9. आज्ञाकारिता किस पर आधारित होना चाहिए (1)

- ☐ नर्क का डर
- ☐ दोस्तों की मंज़ूरी की इच्छा के लिए।
- ☐ यीशु की स्थायी उपस्थिति / यीशु के लिए प्रेम।

10. मसीही आचरण, या आज्ञाओं को मनाना है, (1)

- ☐ विधिवादिता।
- ☐ सच्चे परिवर्तन के फलों में से एक।
- ☐ महत्वहीन

अगले पृष्ठ पर जारी

11. मसीह से विवाह का प्रतीक है (1)

- ☐ एक धर्मसंघ या मठ में शामिल होना।
- ☐ बपतिस्मा।
- ☐ दाहिने हाथ पर शादी की अंगूठी।
- ☐ ब्रह्मचर्य की शपथ लेना।

12. मसीह के साथ प्रेम में रहने के दो सबसे बड़े तरीके हैं (2)

- ☐ दैनिक बाइबल अध्ययन।
- ☐ एक उदार भेंट देना।
- ☐ सूअर के माँस से दूर रहना।
- ☐ निरंतर प्रार्थना का प्रवृति।

13. मेरी यह इच्छा है कि यीशु को अपने जीवन में स्वीकार करूँ और नए जन्म का अनुभव करूँ।

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं
- ☐ मैंने पहले ही ग्रहण कर लिया है।

उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर देना सुनिश्चित करें!

AMAZING FACTS India

नामांकित होने के लिए अपना नाम, ईमेल और फोन नंबर दर्ज करें। अपनी अगली मुफ्त अध्ययन मार्गदर्शिका प्राप्त करने के लिए "जमा करें" पर क्लिक करें।

आपका नाम :			
आपका ईमेल :			
फोन नंबर :			
आपका पता :			
शहर जिला :		*राज्य :*	
पिन:	*आयु वर्ग :*	*लिंग :*	

जमा करें

अपनी संपर्क जानकारी अपडेट करें

Study Guide 3 • Saved from Certain Death
www.AmazingFacts.org • www.AmazingFactsIndia.org • HindiBibleSchool@AFTV.in
© 2007, 2020 Amazing Facts International • All Rights Reserved • Printed in India